भगत कबीर – सबद २०

चोआ चंदन मरदन अंगा ॥

रागु गउड़ी, भगत कबीर, गुरु ग्रंथ साहिब, ३२६

चोआ चंदन मरदन अंगा ॥
सो तनु जलै काठ कै संगा ॥१॥
इसु तन धन की कवन बडाई ॥
धरनि परै उरवारि न जाई ॥१॥ रहाउ ॥
राति जि सोवहि दिन करहि काम ॥
इकु खिनु लेहि न हरि को नाम ॥२॥
हाथि त डोर मुखि खाइओ त्मबोर ॥
मरती बार कसि बाधिओ चोर ॥३॥
गुरमति रसि रसि हरि गुन गावै ॥
रामै राम रमत सुखु पावै ॥४॥
किरपा करि कै नामु द्रिड़ाई ॥
हरि हरि बासु सुगंध बसाई ॥५॥
कहत कबीर चेति रे अंधा ॥
सति रामु झूठा सभु धंधा ॥६॥१६॥

सार: सुख-सुविधा की खोज में, हम कामकाज में इतना डूब सकते हैं कि जीवन के गहरे उद्देश्य जिसमें आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक जुड़ाव शामिल हैं, इनको भी नज़रअंदाज़ कर देते है। हम अक्सर इस भ्रम में रहते हैं कि हमारे शरीर, संपत्ति और बाहरी दिखावे का स्थायी मूल्य है। अपनी अज्ञानता में हम इन पहलुओं को निखारने में समय और ऊर्जा लगाते हैं हालाँकि चाहे हम उन्हें बचाने की कितनी भी कोशिश करें भौतिक चीज़ें अंततः फीकी पड़ जाती हैं, आग में सूखी लकड़ी की तरह राख में बदल जाती हैं । यह सच्चाई एक गंभीर प्रश्न को जन्म देती है, क्या हम उस चीज़ पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो वास्तव में मायने रखती है? उत्तर स्पष्ट है, भौतिक संपत्तियाँ हमें संतुष्ट नहीं कर

सकतीं। इस दुनिया में हम जो संजोते हैं वह हमारे जाने के बाद पीछे छूट जाता है। हम सफल दिख सकते हैं लेकिन चिंतन के लिए एक पल भी न निकाल पाने पर हम आध्यात्मिक रूप से खाली ही रह जाते हैं। इसलिए एक सार्थक जीवन के लिए अनंत, शाश्वत पर चिंतन अनिवार्य है।

चोआ चंदन मरदन अंगा ॥
शरीर को सुगंधित चंदन और घृत से अभिषेक किया जाता है। यह बताता है कि बाहरी भक्ति या कर्मकांड की पवित्रता केवल धारण नहीं किया जाता बल्कि जीया जाता है।

सो तनु जलै काठ कै संगा ॥१॥
फिर भी वही शरीर अंततः चिता की लकड़ी के साथ जल जाएगा। यह दर्शाता है कि बाहरी रूप, रीति-रिवाज या सामाजिक दर्जा केवल भ्रम-माया हैं, हम उनके साथ ही जलेंगे। (१)

इसु तन धन की कवन बडाई ॥
इस शरीर और धन में असली महिमा क्या है? यह सोचने पर मजबूर करने वाला प्रश्न है जो हमारी प्राथमिकताओं को पुनः जांचने का आह्वान करता है।

धरनि परै उरवारि न जाई ॥१॥ रहाउ ॥
इस लोक से आगे कुछ भी साथ नहीं ले जाया जा सकता जो इस वास्तविकता को व्यक्त करता है कि मृत्यु के बाद कोई भी मूर्त चीज़ अस्तित्व में नहीं रह सकती। (१)(विराम)

राति जि सोवहि दिन करहि काम ॥
रात सोने में बीतती है जबकि दिन काम में बीतता है। यह दर्शाता है कि हम कैसे अर्थहीन जीवनयापन की एक दिनचर्या बना लेते हैं।

इकु खिनु लेहि न हरि को नाम ॥२॥

हम एक क्षण के लिए भी रुककर उस शाश्वत शक्ति की सर्वव्यापकता का स्मरण नहीं करते जो हमें घेरे हुए है। (२)

हाथि त डोर मुखि खाइओ तमबोर ॥

पतंग की डोर एक हाथ में और मुँह में पान का पत्ता रखना, फुर्सत और वासना का प्रतीक है जो जीवन पर नियंत्रण का भ्रम पैदा करता है।

मरती बार कसि बाधिओ चोर ॥३॥

मृत्यु के बाद शरीर चोर की तरह बांध दिया जाता है। यह बताता है कि इन्द्रियों से संचालित यह शरीर जिसने कभी विनम्रता और शांति छीन ली थी, अब शक्तिहीन होकर मृत्यु से बंधा हुआ है। (३)

गुरमति रसि रसि हरि गुन गावै ॥

ज्ञान का वह सार जो मन को अज्ञान से जागरूकता की ओर ले जाता है, आनंदपूर्वक एकता के गुण गाता है।

रामै राम रमत सुखु पावै ॥४॥

समस्त सृष्टि में व्याप्त अनंत जागरूकता पर चिंतन करने से सुख और शांति मिलती है। (४)

किरपा करि कै नामु द्रिड़ाई ॥

करुणा और दृढ़ संकल्प के साथ आत्म-चिंतन को अपनाओ।

हरि हरि बासु सुगंध बसाई ॥५॥

अदृश्य, सर्वव्यापी ऊर्जा हर चीज़ में बसती है जैसे अदृश्य सुगंध।(५)

कहत कबीर चेति रे अंधा ॥
कबीर कहते हैं 'जागो, अज्ञानी मन'। यह आत्म-जागरूकता की ओर आह्वान है जिससे अज्ञानता से बाहर निकला जा सके।

सति रामु झूठा सभु धंधा ॥६॥१६॥
एकमात्र सत्य यह है कि सभी में प्रवाहित होने वाली ऊर्जा शाश्वत, अनंत सर्वव्यापी चेतना है बाकी सब झूठ, मिथ्या और क्षणिक है। (६)(१६)

तत्त्व: भगत कबीर बाहरी दिखावे और आंतरिक शून्यता के बीच स्पष्ट अंतर को उजागर करते हैं। वह स्वयं से ईमानदार होने का आह्वान करते हैं और बाहरी धार्मिकता को आंतरिक परिवर्तन समझने की भूल न करने की चेतावनी देते हैं। भव्य श्रृंगार से सजे शरीर का भी क्षय होना तय है, धन और सौंदर्य मृत्यु की अनिवार्यता से बच नहीं सकते। केवल सच्ची भक्ति और आत्म-साक्षात्कार ही सार्थक है। वह हमें केवल सफलता के भ्रम का पीछा करने के बजाय जागरूकता विकसित करके अपने जीवन का बुद्धिमानी से उपयोग करने का आग्रह करते हैं। यह जागरूकता अहंकार से नहीं बल्कि विनम्रता और कृपा से आती है जो हमारी चेतना को सत्य की सुगंध बिखेरने में सक्षम बनाते हैं।

सबद व्याख्या **विनइंदर कौर** और **अमरदीप सिंह**
Oneness In Diversity Research Foundation
वेबसाइट: OnenessInDiversity.com
ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com